REPORT AND MINUTES OF THE STANDING COMMITTEE ON RAILWAYS

SHRI SARADA MOHANTY (Orissa): Madam, I beg to lay on the Table a copy (in English and Hindi of the Sixteenth Report of the Standing Committee on Railways (1995-96) on 'Requirement, Procurement and Utilisation of Wagons by the Indian Railways' and Minutes of the Sittings of the Committee relating thereto.

LEAVE OF ABSENCE

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that a letter has been received from Dr. Ramendra Kumar Yadav Ravi stating that he is not well for the last one month and he is unable to attend the House during the current Session. He has, therefore, requested for the grant of leave of absence from all the sittings of the House during the current Session.

Does he have the permission of the House for remaining absent from all the sittings of the House during the current Session?

(No hon. Member dissented)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Permission to remain absent is granted.

Now, there is a statement of Mrs. Margaret Alva. But she is not here. She can make it a little later. *(Interruptions)*.

Yes, Mr. Gujral.

RE. NEED TO CONTINUE SEPARATE CELL DEALING WITH CASES OF 1984 RIOTS

SHRI INDER KUMAR GUJRAL (Bihar): Madam, I want to raise a matter of grave importance. I think the whole House will be concerned about the point I am going to raise.

The 1984 riots have left a very big slur on our fairness. Several cases are still pending. A cell had been formed in the Delhi Administration and police where these people were to be prosecuted. Up-till now, 172 cases remain pending. And the Government of India has now done a most objectionable thing. They have ordered the winding up of the cell which means that all these criminals will go scot-free and all those who committed ...*(Interruptions)*...killing 2706... *(Interruptions)*. The Delhi Government has already protested against it. The Delhi Government has written to the Central Government not to wind up the cell. And yet, the Central Government has wound up the cell. *(Interruptions)*. Therefore, I feel that the spirit of the House that this cell must continue should be conveyed to them. Not only the cell must continue, but all those culprits who have a big political clout—criminalisation of politics has now come in—and those people who were the most criminal ones must be hauled up and prosecuted straightway.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): The cell must be revived. *(Interruptions)*.

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): The cell should continue. *(Interruptions)*.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): सदर साहिबा। इस सेल को वाइंड अप करने का कारण क्या हो सकता है?...(व्यवधान)... यह मुजरिमों पर पर्दा डालने की कोशिश है ...(व्यवधान)... मेरी पार्टी के सभी लोग इस सिलसिले में अपने आप को गुजराल साहब की इस बात से वाबस्तता करते हैं। ...(व्यवधान)... आप मल्होत्रा साहब को मौका दें।

نیتا ورودھی دل "شری سکندر بخت" : صدر صاحبہ - اس سیل کو "وائنڈ اپ" کرنے کا کارن کیا ہو سکتا ہے ... "مداخلت" ... یہ مجرموں پر پردہ ڈالنے کی کوشش ہے ... "مداخلت" میری پارٹی کے سبھی لوگ اس سلسلے میں اپنے آپ کو گجرال صاحب سے وابستہ کرتے ہیں ... "مداخلت" ... آپ ملہوترہ صاحب کو موقع دیں۔

*[]Transliteration into Arabic Script.

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार): मैडम, गुजराल साहब ने जो यह सवाल उठाया है, यह राष्ट्रीय महत्व का सवाल है।...(**व्यवधान**)

श्री विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): मैडम, एक आदमी को भी सजा नहीं मिली और जब एक आदमी को भी सजा नहीं मिली तो इन्होंने सेल कैसे बन्द कर दिया?...(**व्यवधान**)...दिल्ली के मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना को नहीं सुना। ...(**व्यवधान**)...उन्होंने कहा कि इसको बंद मत कीजिए और उसके बावजूद इसे बंद कर दिया।...(**व्यवधान**)... इसमें कांग्रेस के लोग फंसे है इसलिए इस सेल को बंद कर दिया। मैं पूछना चाहता हूं कि यह क्या हो रहा है?...(**व्यवधान**)...

श्री सिकंदर बख्त: मैडम, मुझे इसमें सख्त एतराज है। यह सेल बंद कुछ लोगों को बचाने की कोशिश में किया जा रहा है।

شری سکندر بخت : میڈم - اسمیں مجھے سخت اعتراض ہے یہ "سیل" بند کچھ لوگوں کو بچانے کی کوشش میں کیا جا رہا ہے -

श्री दिग्विजय सिंह: उपसभापति महोदया, एक आयोग बैठाया गया था सरकार की तरफ से। उस आयोग ने रंगनाथ मिश्र की अध्यक्षता में अपना फैसला दिया था। कुछ लोगों को...(**व्यवधान**)... मैडम, ऐसे लोग ब्लैक कमाण्डो के बीच चलते हैं। देश में जो इससे मैसेज जा रहा है वह यह कि जो गुनाहगार हैं, उनको सरकार ब्लेक कमाण्डो देती है और मुकदमा नहीं करती है। ...(**व्यवधान**)...

श्री इकबाल सिंह (पंजाब): मैडम, हजारों लोग मारे गए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया (बिहार): महोदया, क्या हम इस मुहावरे को सच मानें लें कि "जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाइड"।...(**व्यवधान**)... 11 साल हो गए और इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया। ...(**व्यवधान**)...फिर अब इसको भी बंद कर देंगे। इस तरह का इसमें राजनीतिकरण करने के लिए हर तरफ से, चारों तरफ से प्रेसर देकर इसको रोकने की कोशिश की जा रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि इसमें तुरन्त कार्यवाही की जाए। ...(**व्यवधान**)... मैं चाहूंगा कि सदन की कमेटी बनाई जाए, जो इस पर विचार करेगी। ...(**व्यवधान**)... पार्लियामेंट की एक ज्वायंट कमेटी इस पर विचार के लिए बनाई जाए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI AJIT P.K. JOGI (Madhya Pradesh): Madam, the House is unanimous that the Cell must be revived. *(Interruptions)*

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार): मैडम, आप ही इस पर कुछ कहिए...(**व्यवधान**)...

उपसभापति: आप बैठेंगे तब तो कुछ कहूंगी।

श्री चतुरानन मिश्र: यह बहुत जरूरी है क्योंकि लोग बहुत चिंतित है, सारा हाऊस चिंतित है। ...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल (उत्तर प्रदेश): मैडम...(**व्यवधान**)...

شری محمد افضل عرف م- افضل : میڈم... "مداخلت".....

उपसभापति: आप बैठिए, पहले। आप लोग बैठेंगे तो मैं कुछ बोलूंगी। ...(**व्यवधान**)...आप बैठिए। बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब, इसका जवाब आना चाहिए। इसका मतलब क्या है?...(**व्यवधान**)...

شری سکندر بخت : صدر صاحب - اسکا جواب آنا چاہیئے - اسکا مطلب کیا ہے ... "مداخلت".....

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल: प्राइम मिनिस्टर को बुलाकर जवाब लेना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

شری محمد افضل عرف م- افضل : پرائم منسٹر کو بلاکر جواب لینا چاہیئے ... "مداخلت"...

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश): मैडम, केवल एक निवेदन करना है। जब यह वाक्या हुआ था तब प्रधानमंत्री जी गृहमंत्री थे। उनको सीधी-सीधी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)...गुजराल साहब ने जो सवाल उठाया है, यह जब वाक्या हुआ था तो प्रधानमंत्री जी होम मिनिस्टर थे, उनको यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

उपसभापति: ठीक है। आप बैठेंगे तो मैं कुछ कामेण्ट करूंगी।...(**व्यवधान**)...चतुरानन जी ने कहा कुछ बोलिए, अहलुवालिया जी ने कहा, जयपाल जी ने

*[]Transliteration into Arabic Script.
†[]Transliteration in Arabic Script.

कहा। ...(व्यवधान)...आप बैठिए। ...(व्यवधान) ... Mr. Jaipal Reddy, I can make some comments only if you sit down. *(Interruptions)* Let me give a direction, at least. Everybody wants me to react. So, I am reacting. *(Interruptions)*

श्री बलबीर सिंह (पंजाब): मैडम, अगर आप ही प्रोटेक्ट नहीं करेंगी तो कौन करेगा? अफसोस की बात यह है कि हम इनको गालियां निकालते हैं, जनता दल को गालियां निकालते हैं, हमारी सरकार ऐसा करती है तो कौनसा कैसा कहें?...(व्यवधान)...मैडम, उड़ीसा में एक शर्मनाक वाक्या हुआ है। मैडम, एक मिनट मुझे दीजिए। वहां कुछ टैक्सी ड्राइवर पुलिस वालों से लड़ पड़े। किसी ने एक थप्पड़ मार दिया। बजाय पुलिस वाले उस पर केस चलाते, उनको पुलिस थाने ले गए। थाने ले जाकर उनकी दाढ़ियां काटी, उनके बाल मुंडवाए। ...(व्यवधान)... मुझे अफसोस है कि अपनी पार्टी की हमारी सरकार ऐसा करती है।...(व्यवधान)...

श्री इकबाल सिंह: 11 साल हो गए, अभी तक कुछ नहीं किया गया ।..(व्यवधान)...

उपसभापति: इकबाल सिंह जी, आप जरा बैठेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: होम मिनिस्टर साहब को यहां बुलाया जाए और उनसे पूछा जाए कि यह कैसे हुआ? ...(व्यवधान)...

†[شری محمد افضل عرف م۔ افضل : ہوم منسٹر صاحب کو یہاں بلایا جائے اور ان سے پوچھا جائے کہ یہ کیسے ہوا .... مداخلت ....]

उपसभापति: आप बैठिए। बैठिए। ...(व्यवधान)... आप बैठिए। अफजल साहब, बैठिए। ...(व्यवधान)... प्लीज़ आप भी बैठिए। ...(व्यवधान)... बैठिए आप भी, बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... अच्छा, अब बैठ जाइए न। ...(व्यवधान)... आई नो, आप बैठिए न। आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम निर्देशित): लोगों की जानें चली गई और उनको बचाने के लिए इतनी देर लग रही है, इसके लिए आपसे कह रहा हूं। हम आपसे प्रोटेक्शन चाहते हैं। ...(व्यवधान)...

उपसभापति: आप बैठिए, बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... बैठिए न। ...(व्यवधान)... अगर आप बैठेंगे तो मैं कुछ बोलूंगी न इसलिए, क्योंकि मेरी आवाज़ भी तो सुनाई देनी चाहिए न। ...(व्यवधान)...

श्री इकबाल सिंह: आप इस तरह से पार्लियामेंट के मैम्बरों को बिठा सकती हैं। ...(व्यवधान)...

उपसभापति: नहीं, मैम्बरों को बिठा नहीं रही हूं बोलने के लिए बिठा रही हूं। ...(व्यवधान)...Mr. Iqbal Singh, You don't fight with me. Your cause will be weakened if you fight with me. *(Interruptions)*... I am trying to help you. *(Interruptions)*... I am trying to help you. *(Interruptions)*...

श्री बलबीर सिंह: इसका मतलब है कि माइनॉरिटीज़ को इस देश में रहने का कोई हक नहीं है। ...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. Just keep quiet. *(Interruptions)*...

श्री इकबाल सिंह: मैडम, मेरा कहना ...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Iqbal Singh, you don't know where you have to go and complain. I am very sorry. Instead of going and complaining to the Government you are coming here and fighting with me. No, that is not correct. *(Interruptions)*...

श्री राज बब्बर (उत्तर प्रदेश): इस देश की सरकार माइनॉरिटीज़ के साथ अत्याचार कर रही है, चाहे वे सिख हों या मुसलमान। ...(व्यवधान)...

उपसभापति: आप बैठिए, चुप रहिए। ...(व्यवधान)... Mr. Iqbal Singh, you don't know where you have to go and complain. I am asking everybody to sit down so that I can give my comment. *(Interruptions)*...I am also hurt. I had been a Member in the House when you were not here and you are blaming me that I am stopping you. I am very sorry. I am very sorry about it. *(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह: ब्लेम नहीं कर रहे हैं, जुल्मात्ती मामला है इसलिए। ...(व्यवधान)... मैडम, आपसे क्या मतलब है इस केस का, मतलब सरकार से है। ...(व्यवधान)...

---

†[]Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, this is the whole thing. *(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह: जनेश्वर जी ने सही कहा कि वे गृह मंत्री थे, तब ...(व्यवधान)...

उपसभापति: आप बैठिए, बैठ जाइए। प्लीज़, सिट डाउन, आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... No, they don't know where to go and make their presence felt. *(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह: मैडम, अब आप राय दें, तब तो बैठें। ...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. *(Interruptions)*... Please sit down. I say, sit down. *(Interruptions)*... आप बैठ जाइए, प्लीज़। ...(व्यवधान)... बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: मैडम, कोई भी बात हो ...(व्यवधान)... लेकिन हमारी बात दब जाती है। ...(व्यवधान)...

उपसभापति: मान साहब, बैठ जाइए। इकबाल सिंह जी, आप भी बैठ जाइए। आप भी बैठिए। ...(व्यवधान)... एक मिनट चुप रहिए। ...(व्यवधान)...

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: अब कौन जवाब देगा इसका?..... (व्यवधान)

उपसभापति: बैठिए एक मिनट, बैठ जाइए। I am very sorry that when matters which concern the Members ..... *(Interruptions)* .....When Members raise issues which concern them and hurt them, I always try to pacify them and try to convey their sentiments to the Government. That is my job. *(Interruptions)*...

SHRI INDER KUMAR GUJRAL (Bihar): We appreciate that, Madam. *(Interruptons)*....

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just one minute. Don't interrupt me. *(Interruptions)*.... That does not mean that the Members should get up and say I stop them. I don't. I never stop anybody. I was asking you because some senior Members of the House wanted me to react. if you want to keep on shouting, go on shouting the whole day. I have no objection. I will stop every business and we will discuss only this till 1 o'clock. I have no problem. I was telling Mr. Iqbal Singh, "Please sit down. Then I can ask the Government." Am I responsible for stopping it? *(Interruptions)*...Please take your seats. *(Interruptions)*....

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamilnadu): There are no Ministers from the Ministry of Parliamentary Affairs. Nobody is here *(Interruptions)*....

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: जो यह पार्लियामेंट कहती है वह इम्प्लीमेंट न हो तो यह किसकी जिम्मेवारी है? (व्यवधान)...

SHRI SIKANDER BAKHT: Let us have some remarks. *(Interruptions)*....

उपसभापति: बैठिए आप। (व्यवधान) How can I react when everybody is shouting? I cannot speak. *(Interruptions)*.... The Members don't have this much manners that when the Deputy Chairman is standing or any Presiding Officer is standing, They should sit down. *(Interruptions)*.... I am not opposing them. I am not codemning them. I am condemning the act. I would ask the Government to come and reply. You don't want to give me the chance. Fine. Go on doing whatever you like. Don't raise it on the floor of the House.

(Interruptions)

श्री इकबाल सिंह: मैडम, मेरी बात समझिए कि मैंने क्या कहा।

उपसभापति: आपने क्या कहा? I don't..... *(Interruptions)*....

श्री इकबाल सिंह: मैडम, मैंने कहा कि हमारी अगर पार्लियामेंट में बात नहीं सुनी जाएगी तो कहां सुनी जाएगी, हम कहां जाएं। (व्यवधान).....

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, you did not say that. *(Interruptions)* .....You said it and then you admitted that you said it.

SHRI IQBAL SINGH: Okay, then. *(Interruptions)*.....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am

not angry. I am not angry with anybody. I am angry with the Members who do not understand....(*Interruptions*)....

श्री दिग्विजय सिंह: मैडम, यह सारा गुस्सा सरकार की तरफ आए तो ज्यादा बेहतर है। (व्यवधान)......

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, we know that you are only capable of synthetic anger and not real anger.

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: (व्यवधान) एक तरफ तो आपने कहा कि होम मिनिस्टर को बुलाने दीजिए और दूसरी तरफ कह रही हैं......(व्यवधान)

उपसभापति: मान साहब, आपकी बात मैंने सुन ली है। आप अगर एक बात को दस दफे बोलेंगे तो वह बात बढ़ नहीं जाएगी। आपके एक जुमले की वही अहमियत है कम से कम मेरे लिए जो आप एक घंटा बोलेंगे उसकी अहमियत है। इंसान की अहमियत होती है, बात की अहमियत होती है, टाईम की अहमियत होती है। मसला अहम है कि 11 वर्ष से किसी को सजा नहीं मिली है। इससे आप लोगों को दुख है। मैं भी उसमें शामिल हूं। मैं इस हाऊस की मेंबर जब भी थी और अब भी हूं और यह मामला गवर्नमेंट का है। आपकी बात मैं गवर्नमेंट तक पहुंचाऊंगी और यहां मंत्री बैठे हो, वह भी पहुंचाएंगे। होम मिनिस्टर साहब भी दो बजे यहां आएंगे या अभी आएंगे। उनसे बात होगी। उनसे आप कहिए। मैं अपनी तरफ से स्वयं कहूंगी कि क्या वजह है, उन्होंने क्यों किया? मुझे मालूम नहीं कि वह लोक सभा में या कहां है। मैं इत्तला भेजती हूं। मैं उनको हवा में से नहीं प्रोड्यूज कर सकती । आप आराम से, शांति से दो मिनट बैठिए मैं पता लगाकर आपको बता दूंगी।

श्री जनेश्वर मिश्र: मैडम, घटना के समय जो होम मिनिस्टर थे, क्या वह आएंगे?.........व्यवधान)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश): दोनों को बुला लिया जाए।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: आप इस पर जवाब देने के लिए कह रही थी ....(व्यवधान)

उपसभापति: अब आप बैठिए न।

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहिबा, मेरी एक गुजारिश है। ....(व्यवधान) मैं सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि...........(व्यवधान)

†شری سکندر بخت : صدر صاحبہ - میری ایک گزارش ہے ..... "مداخلت" ..... میں صرف یہ جاننا چاہتا ہوں کہ ..... "مداخلت" ...

†[] Transliteration Arabic script.

उपसभापति: मान साहब, अब आप बैठ जाइए न। मैंने आपसे कहा कि आपकी बात मेरे दिल को लगी है। मैं जरूर इस पर कुछ न कुछ कहूंगी। आप बैठें तथा मुझे समय तो दीजिए।

श्री सिकन्दर बख्त: व्हाट हेपिंड इन दि इंटरवीनिंग पीरियड। किस्सा यह है कि इससे पहले जो सवाल उठाया गया है उस सवाल के अलावा कोई और बिजनेस लिया जाए। (व्यवधान) हमें सफाई मिलनी चाहिए कि उस सेल को वाइंड-अप क्यों किया गया और ज़ेहन इस काबिल नहीं है कि कोई दूसरे किस्म के बिजनेस को एब्जार्व कर सके। हम इसका जवाब चाहते हैं। ज़ब तक जवाब आ सके उतनी देर के लिए-दस, पन्द्रह, बीस मिनट के लिए हाऊस को एडजार्न कर दीजिए मेहरबानी करके।.........(व्यवधान)

†شری سکندر بخت : "وہاٹ ہیپنڈ ان دی انٹروینینگ پیریڈ" - قصہ یہ ہے اس سے پہلے جو سوال اٹھایا گیا ہے اس سوال کے علاوہ کوئی اور بزنس لیا جائے ..... "مداخلت" ہمیں صفائی ملنی چاہیئے کہ اس سیل کو وائنڈ اپ کیوں کیا گیا اور ذہن اس قابل نہیں ہے کہ کوئی دوسرے قسم کے بزنس کو ابزورب کر سکے ہم اسکا جواب چاہتے ہیں - جب تک جواب آ سکے اتنی دیر کیلئے - دس پندرہ بیس منٹ کیلئے ہاؤس کو ایڈجارن کر دیجئے مہربانی کرکے ..... "مداخلت" .....

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: मैडम् तीन हजार लोग मरे है।......(व्यवधान) और सेल बंद हो गया है। सेल बंद हुआ कैसे हुआ कैसे?....(व्यवधान)

श्री एस०एस० अहलुवालिया: मैडम् मेरा एक छोटा एब्मिशन है। आज सदन पहली बार एक मत से इस सवाल को उठा रहा है।...........(व्यवधान)

श्री दिग्विजय सिंह: सदन ने सदैव एक मत से उठाया है।

श्री एस० एस० अहलुवालिया: कृपया शांत रहे आप। मैं नौ साल से इस सदन का सदस्य हूं, मेरा दसवां साल चल रहा है। मैंने इस सदन के बहुत से रूप देखे हैं और बहुत उतार-चढ़ाव देखा है इस सदन का। और यहां हम दबी आवाज में यह बात उठाते थे। पहली

[श्री एस० एस० अहलुवालिया]

बार आपने उठाया है। इस पर हम कोई खेल नहीं खेलना नहीं खेलना चाहते। इसको राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहते। हम इंसाफ की मांग करते हैं। अगर इंसाफ देना होता तो 1990 में मिल गया होता, अगर इंसाफ देना होता तो 1991 में मिल गया होता, 1995 तक हमें इंतजार नहीं करना पड़ता।.......(व्यवधान) आज पूरा का पूरा सदन एक है।....(व्यवधान)

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: क्या बात कर रहे हैं आप....... (व्यवधान) इतनी हत्याओं के मुकदमे हैं और आपने सेल बंद कर दिया।.......(व्यवधान)

श्री एस० एस० अहलुवालिया: जब सदन पूरा इकट्ठा होकर न्याय की मांग कर रहा है तो हमें न्याय मिलना चाहिए और उस न्याय में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिए और उसमें कोई छल-छलावा नहीं होना चाहिए।.........(व्यवधान)

श्री अजीत जोगी: इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए।

श्री दिग्विजय सिंह: यह क्या बात कर रहे हैं।.......(व्यवधान) इससे बड़ी राजनीति और क्या हो सकती है, हम यह जानना चाहते हैं आपसे।........(व्यवधान) जो कलप्रिट हैं, जिन लोगों पर कत्ल का मुकदमा चलना चाहिए, जिन पर मर्डर का केस चलना चाहिए उनको टिकट दिए गए, उनको ब्लैक कमांडो दिए गए।....(व्यवधान) 90 में हमने गिरफ्तारी का नोटिस दिया था, आपको जानकारी नहीं है।.........(व्यवधान)......ये सारे के सारे गुनहगार लोग पोलिटिक्स में आ गए हैं.......(व्यवधान)........

श्री एस० एस० अहलुवालिया: मैं यह बात भी सदन में कह चुका हूं। एक भी जनसंघी खड़ा हो कर कह दे............(व्यवधान)........ ये तो नमक छिड़क रहे हैं ज़ख्म पर......(व्यवधान).....

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY Madam. there is a prescribed procedure to put questions. I have been seeking your permission to put a question....(*Interruptions*).....

श्री दिग्विजय सिंह: मैडम, ये बैठो-बैठो क्यों कहते है2 कोई सदस्य खड़ा है और ये बैठों-बैठों कहते हैं.........(व्यवधान).......

उपसभापति: लड़ाई-झगड़ा क्यों कर रहे है?...........(व्यवधान)......बाहर इतना लड़ाई करते हैं और यहां भी कर रहे हैं। .... (व्यवधान)

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहिबा, मेरी दरखास्त पर गौर करें।.........(व्यवधान)........

†[شری سکندر بخت : صدر صاحبہ - میری درخواست پر غور کریں ..... " مداخلت "]

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा): यहां उन्नीस साल वाले भी बैठे हैं।.......(व्यवधान).....

†[شری محمد افضل عرف م - افضل : میڈم آپ انکو کہئے کہ یہ بیٹھ جائیں]

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल: मैडम, आप इनको कहिए कि ये बैठ जाएं।

श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल: मैडम, आपको पूछना चाहिए कि ये क्या जवाब दे रहे हैं 1984 के सिलसिले में, अभी जो हमारे बहुत सारे मैम्बरान ने यहां पर अपना आक्रोश प्रकट किया है कि 1984 में जो बेगुनाह सिखों की हत्या की गई थी दिल्ली में, उसके मुताल्लिक एक सेल बनाया गया था उसकी इनक्वायरी करने के लिए तो उसको बंद कर दिया गया है। ऐसा क्यों किया गया है। हम लोग यही जानना चाहते हैं 1984 के राइट्स के सिलसिले में।

†[شری محمد افضل عرف م - افضل : میڈم آپ کو پوچھنا چاہیئے کہ یہ کیا جواب دے رہے ہیں ۱۹۸۴ کے سلسلے میں ابھی جو ہمارے بہت سارے ممبران نے یہاں پر اپنا آکروش پرکٹ کیا کہ ۱۹۸۴ میں جو بے گناہ سکھوں کی ہتیا کی گئی تھی دلی میں اس کے متعلق ایک سیل بنایا گیا تھا اسکی انکوائری کرنے کیلئے تو اس کو بند کر دیا گیا ہے - ایسا کیوں کیا گیا ہے ہم لوگ یہی جاننا چاہتے ہیں ۱۹۸۴ کے رائٹس کے سلسلے میں]

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: दिल्ली के चीफ मिनिस्टर ने आपको लिखा है कि सेल मत बंद करो लेकिन.........(व्यवधान)......

श्री इकबाल सिंह: मैडम, ग्यारह साल हो गए जब बेगुनाहों को मारा गया। देश की मेजारिटी में सबसे बड़ा हिस्सा माइनारिटी का है, यह बात मैं कहना चाहता हूं।.......(व्यवधान)...

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN): Madam, as far as I am concerned from the time I assumed the charge of the

†[] Transliteration Arabic script.

Ministry of Home Affairs, I can definitely assure the House that there was no such committee. If anything of this nature had happened before I took charge of the Ministry, I would certainly look into it.

श्री दिग्विजय सिंह: गृह मंत्री जी, दिल्ली पुलिस उसका एक हिस्सा था, 1984 के राइट्स के लिए दिल्ली पुलिस का एक हिस्सा, एक सेल बनाया गया था। वह सेल अभी बंद किया गया है जब आप गृह मंत्री हैं। मैं आपसे यह कहना चाहूंगा कि आप इस पर अपनी राय दें कि जो अभी दस-पंद्रह दिनों के अंदर सेल बंद हुआ है आपके गृह मंत्रित्व में, आप उसे चालू रखेंगे, यही गुजारिश मैं कर रहा हूं।

श्री एस॰ बी॰ चव्हाण: हमारी तरफ से तो कोई आॅर्डर्स नहीं हैं। जहां तक मेरी जानकारी है गवर्नमेंट की तरफ से पुलिस कमिश्नर को ऐसे कोई आॅर्डर्स नहीं गए हैं और अपने लेवल पर अगर उन्होंने बंद किया होगा तो हम उनसे कहेंगे, वे उसको चालू रखें। ......**(व्यवधान)**......वैसा का वैसा रखें .... **(व्यवधान)** ....

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहिबा, मैं गृह मंत्री जी से कहूंगा कि दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन ने तो आपको लिखा था....... **(व्यवधान)** .... दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन ने तो आपको लिखा था कि इस सेल को वाइंड अप न किया जाए।.........**(व्यवधान)**.......

†[شری سکندر بخت: صدر صاحبہ - میں گرہ منتری سے کہوں گا کہ دلی ایڈمنسٹریشن نے تو آپ کو لکھا تھا ..... "مداخلت" دلی ایڈمنسٹریشن نے تو آپ کو لکھا تھا کہ اس "سیل" کو "وائنڈ اپ" نہ کیا جائے ...... "مداخلت" ......]

THE DEPUTY CHARIMAN: Dr. Gupta, what do you want to say?

DR. BIPLAB DASGUPTA: The Cell should not be closed. I would request the Home Minister to assure us that it would not be closed.

श्री चतुरानन मिश्र: मैडम, सेल भी रहे लेकिन ऐक्टिव सेल रहे। ऐसा सेल न रहे कि 85 के केस का मुकदमा 95 में भी नहीं हो, ऐसा सेल नहीं चाहिए। ऐसा सेल बनाइए कि जल्दी से जल्दी उनको सजा मिल सके, मुकदमों का निष्पादन हो सके, ऐसा नहीं कि इसको 21वीं सेंचुरी के लिए रखा जाए।.......**(व्यवधान)**........

उपसभापति: अब होम मिनिस्टर साहब आ गये हैं, उन्होंने कहा है कि उन्होंने कुछ नहीं किया है, बात खत्म हो गयी।...........**(व्यवधान)**

SHRI INDER KUMAR GUJRAL: One minute. *(Interruptions)* One minute. *(Interruptions)* One minute. *(Interruptions)* Madam, I am surprised that the ...*(Interruptions)*... a senior Home Minister. I respect him a great deal. The news says that the official order from the Home Ministry received today, that is, 1st of August, says that the Riot Cell has been closed with effect from July, 31st. The Police has asked for a six-months' extension arguing that over 172 cases were still pending for trial. Despite the pending cases, the Ministry has ordered the closure of the Cell. The Cheif Minister of Delhi has protested and my friend, the Home Minister, says that he is ignorant. If he is ignorant, I am very sorry that something is happening in his Ministry he should beware of it. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him reply.

SHRI S.B. CHAVAN: Madam, the hon. Member is a very senior Member. I respect what he says. I have no objection to reversing the order. It has not been brought to my notice. You have to make a distinction between the Ministry and the Minister. There are certain........*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish. *(Interruptions)* Let him finish.

SHRI S.B. CHAVAN: I am really surprised......*(Interruptions)* that even those, who had worked in the Government, are expressing surprise like this. It is something which I am not able to understand.

श्री सिकन्दर बख्त: हंसी आती है तेरी सादगी पर. . .

---

†[] Transliteration is Arabic Script.

SHRI S.B. CHAVAN: Anyway, the long and short of the entire thing is, if any such order has been passed, we will quash the order and restore the Cell.

श्री चतुरानन मिश्र: मेरी एक रिक्वैस्ट है कि सेल ने ऐसा काम किया कि एक भी आदमी को सजा नहीं हो सकी और 11 वर्ष बीत गए हैं। तो इसको भी आप देखिए कि कहीं और 11 वर्ष न बीत जाएं। पता नहीं इतने दिन तक पब्लिक आपको रहने ही न दे। अगर आप इसी चाल से चले तो। तो पहले इस संबंध में कोई इंतजाम कीजिए।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, this mater is over after the home Minister has explained.

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: महोदया, मेरी आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से गुजारिश है कि सेल तो रिस्टोर हो गया, बहुत बड़ी बात नहीं है किन्तु जितने लोग विक्टिम हैं, विक्टिम के परिवार के सदस्य हैं, आज भी वह कुछ लोगों की दहशत के कारण कचहरी में विटनैस देने के लिए नहीं जा सकते। उनको प्रोटेक्शन देने की जरूरत है। जिन्होंने आतंक फैलाया है, जिन्होंने हत्याएं की हैं, जिन्होंने बलात्कार किए हैं, उनके पास तो पुलिस प्रोटेक्शन है, वह तो एन॰एस॰जी॰ के प्रोटेक्शन में है।.......**(व्यवधान)**

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: वह आप ही की साथी हैं।.....**(व्यवधान)**

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: तो वह तो एन॰एस॰जी॰ के प्रोटेक्शन में हैं लेकिन जिन लोगों के घरवाले मारे गये, जिनके बच्चे शहीद हो गए, जिनके घर जलाए गए, वह बेचारे सड़क पर धक्के खा रहे हैं। तो सरकार क्या ऐसा कुछ प्रावधान करेगी कि यह सेल इन विक्टिम्स को प्रोटैक्शन दे ताकि वह कचहरी में जाकर उनके खिलाफ गवाही दे सकें।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी (उत्तर प्रदेश): आतंक फैलाने वाले सुरक्षित है तो यह कौन-सी नयी बात है?......**(व्यवधान)**

مولانا عبیداللہ خان اعظمی: آتنک
پھیلانے والے سرکشت ہیں تو یہ
کون سی نئی بات ہے...... مداخلت†

श्री एस॰बी॰ चव्हाण: अगर आपके पास ऐसी कोई इन्फारमेशन है कि कोई आदमी विटनैस देने के लिए जाना चाहता है किन्तु कोई उसके इस बात के लिए दहशत देता है कि वह विटनैस के तौर पर गवाही देने के लिए न जाए तो ऐसी हालत में आप हमारे नोटिस में यह बात लाइए और हम उसकी प्रोटैक्शन का इंतजाम जरूर करेंगे।

SHRI ASHOK MITRA (West Bengal): Madam, I have only one small point to make, with great respect to the Home Minister, I am a little surprised that an order on such a serious matter could be issued without the Minister being informed. Some hanky-panky must be going on somewhere. So, when he quashes the order, could I humbly request him that he should also institute an inquiry to find out how this order could issue from his Ministry? And, in case it is necessary, he should proceed with disciplinary action.

SHRI S. B. CHAVAN: Madam, I will look into the matter and if it is so serious that some inquiry has to be conducted, I will certainly try to do it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri Bommai. Let us now start at least with some other business.

RE. DISSOLUTION OF ELECTED GRAM PANCHAYATS AND MUNICIPALITIES IN ORISSA

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI (Orissa): Madam, I would like to raise an issue. Recently, the Orissa Assembly has passed a resolution abolishing all the municipalities and panchayats. They have abolished all the panchayats and municipalities by a resolution of the Assembly.

SHRI CHATURANAN MISHRA (Bihar): Elected.

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI: Yes, elected! Madam I would like to state certain facts. In 1992, elections were held in Orissa by the then Government. Sir, elections were not held for ten years by previous Congress Governments and when the Janata Dal came to power, elections were held. I must also bring to the notice of this House that the panchayat Act and the municipal Act of Orissa contain 33% reservation for

---

†[] Transliteration is Arabic Script.